भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
मौखिक प्रश्न सं. †*313
सोमवार, 11 अगस्त, 2025/20 श्रावण, 1947 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

बौद्ध स्थलों पर पर्यटन को बढ़ावा दिया जाना

†*313. श्री जगदम्बिका पाल:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने सिद्धार्थनगर जिले के पिपरहवा जैसे बौद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थलों पर देशी और विदेशी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कोई कदम उठाए हैं, और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत पाँच वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान सिद्धार्थनगर जिले में आए कुल देशी और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने नेपाल में लुम्बिनी और भारत में सिद्धार्थनगर जैसे बौद्ध सांस्कृतिक और विरासत स्थलों के बीच सीमा पार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कोई कदम उठाए हैं;

(घ) क्या सरकार ने सारनाथ, बोधगया, वैशाली और श्रावस्ती जैसे बौद्ध सांस्कृतिक और विरासत स्थलों को जोड़ने के लिए कोई कदम उठाए हैं; और

(ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री **(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) से (ड.): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

श्री जगदम्बिका पाल द्वारा बौद्ध स्थलों पर पर्यटन को बढ़ावा दिये जाने के संबंध में दिनांक 11.08.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के मौखिक प्रश्न सं. †*313 के भाग (क) से (ड.) के उत्तर में **विवरण**

(क): पर्यटन मंत्रालय विभिन्न पहलों के माध्यम से बोधगया, सारनाथ, वैशाली और श्रावस्ती के बौद्ध स्थल सहित भारत के विविध पर्यटन स्थलों और अनुभवों का नियमित रूप से संवर्धन करता है। जिसमें प्रचारात्मक कार्यक्रम, घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में यात्रा प्रदर्शनियों और मेलों में भागीदारी, परिचयात्मक दौरे, प्रभावकारी कार्यक्रम, मेलों और त्योहारों के आयोजन के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्रों को सहायता, वेबसाइट, सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से प्रचार-प्रसार आदि शामिल हैं।

(ख): पिछले पांच वर्षों के दौरान सिद्धार्थनगर जिले में पर्यटकों की संख्या का विवरण इस प्रकार है:

वर्ष	डीटीवी	एफटीवी	कुल
2024	100595	17546	118141
2023	392516	11797	404313
2022	222289	109	222398
2021	370975	90	371065
2020	505801	4924	510725
कुल	15,92,176	34,466	16,26,642

***डीटीवी- घरेलू पर्यटक यात्राएं/एफटीवी- विदेशी पर्यटक यात्राएं**

(ग) से (ङ): पर्यटन मंत्रालय बौद्ध पर्यटन सहित पर्यटन संवर्धन पर फोकस करते हुए अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन सहयोग के फ्रेमवर्क के तहत नेपाल, भूटान और श्रीलंका जैसे पड़ोसी देशों के साथ नियमित रूप से संपर्क करता है।

सरकार ने बिहार और उत्तर प्रदेश सहित देश भर में बौद्ध सांस्कृतिक और विरासत स्थलों के बीच कनेक्टिविटी सुधारने के लिए सार्थक कदम उठाए हैं। कुशीनगर स्थित अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे ने अंतर्राष्ट्रीय तीर्थयात्रियों के लिए सीधी हवाई कनेक्टिविटी को बढ़ा दिया है। नेपाल में लुंबिनी, राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 233 के माध्यम से भारत के सिद्धार्थनगर से जुड़ा हुआ है। बोध-गया, वैशाली, राजगीर, नालंदा आदि जैसे बौद्ध विरासत और तीर्थ स्थल भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई)/सड़क परिवहन एवं

राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) द्वारा तैयार राष्ट्रीय राजमार्गों के नेटवर्क के माध्यम से विधिवत रूप से जुड़े हुए हैं।

रेल मंत्रालय बोधगया, राजगीर, नालंदा, सारनाथ, कुशीनगर, लुम्बिनी और श्रावस्ती को कवर करते हुए थीम आधारित पर्यटक परिपथ ट्रेनें भी चलाता है।

इसके अतिरिक्त, पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन, तीर्थयात्रा कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद), केंद्रीय एजेंसियों को सहायता, चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी) और राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को पूंजी निवेश के लिए विशेष सहायता (एसएएससीआई) नामक अपनी योजनाओं के तहत देश में बौद्ध पर्यटन स्थलों सहित पर्यटन अवसंरचना और सुविधाओं के विकास हेतु कई परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन योजनाओं के तहत बौद्ध स्थलों पर पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

*****

अनुबंध

श्री जगदम्बिका पाल द्वारा बौद्ध स्थलों पर पर्यटन को बढ़ावा दिये जाने के संबंध में दिनांक 11.08.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के मौखिक प्रश्न सं. †*313 के भाग (ग) से (ड.) के उत्तर में **विवरण**

बौद्ध स्थलों पर पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए स्वदेश दर्शन, तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद), केंद्रीय एजेंसियों को सहायता, चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी) और पूंजी निवेश के लिए राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) नामक योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण।

क्र. सं.	**राज्य/संघ राज्यक्षेत्र**	**योजना का नाम/ स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
1.	आंध्र प्रदेश	स्वदेश दर्शन (एसडी)/ 2017-18	बौद्ध परिपथ: शालीहुंडम - बाविकोंडा - बोज्जनकोंडा - अमरावती - अनुपू का विकास	35.24
2.		प्रशाद / 2015-16	महाचैत्य स्तूप और एएसआई संग्रहालय ("अमरावती शहर, गुंटूर जिले का पर्यटक स्थल के रूप में विकास" के तहत)	0.60
3.		प्रशाद / 2015-16	ध्यान बुद्ध स्थल का विकास ("अमरावती शहर, गुंटूर जिले का पर्यटक स्थल के रूप में विकास" के तहत)	0.70
4.		चुनौती आधारित गंतव्य विकास/ 2024-25	नागार्जुन सागर में बौद्ध विरासत और सांस्कृतिक अनुभवों का संवर्धन	25.00
5.	बिहार	स्वदेश दर्शन/2016-17	बौद्ध परिपथ का विकास - बोधगया में कन्वेंशन सेंटर का निर्माण	95.18
6.		स्वदेश दर्शन 2.0/ 2024-25	बौद्ध परिपथ का विकास - बोधगया में कन्वेंशन सेंटर का	165.44

			निर्माण	
7.	छत्तीसगढ	प्रशाद/2020-21	प्रज्ञागिरी का विकास ("मां बम्लेश्वरी देवी मंदिर, राजनंदगांव, डोंगरगढ़, छत्तीसगढ़ का विकास" के तहत)	5.55
8.	गुजरात	स्वदेश दर्शन/2017-18	जूनागढ़-गिर सोमनाथ-भरूच-कच्छ-भावनगर-राजकोट-मेहसाणा का विकास	26.68
9.	मध्य प्रदेश	स्वदेश दर्शन/2016-17	सांची - सतना - रीवा - मंदसौर - धार का विकास	74.02
10.	सिक्किम	प्रशाद/2020-21	सिक्किम के युकसोम में फोर पेट्रेन सेंट्स में तीर्थयात्रा सुविधा का विकास	33.32
11.	उत्तर प्रदेश	स्वदेश दर्शन/ 2016-17	श्रावस्ती, कुशीनगर और कपिलवस्तु का विकास	87.89
12.		प्रशाद/2015-16	साउंड एंड लाइड शो, धमेक स्तूप (“वाराणसी का विकास-चरण-I” के तहत)	7.34
13.		प्रशाद/2015-16	बुद्ध थीम पार्क, सारनाथ (“वाराणसी का विकास-चरण-I” के तहत)	2.20
14.		केंद्रीय एजेंसियों को सहायता/2014-15	वाराणसी/सारनाथ में स्मारकों की प्रकाश व्यवस्था (सारनाथ में ‘धमेख स्तूप, सारनाथ में चौखंडी स्तूप, सारनाथ में लाल खान का मकबरा (राजघाट) और बनारस में मान महल)	5.12
15.		केंद्रीय एजेंसियों को सहायता/ 2017-18	उत्तर प्रदेश के वाराणसी में तीन स्मारकों की प्रकाश व्यवस्था	2.93
16.		पूंजी निवेश के लिए राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को विशेष सहायता/ 2024-25	श्रावस्ती में एकीकृत बौद्ध पर्यटन विकास	80.24
17.	तेलंगाना	चुनौती आधारित	नलगोंडा के बुद्धवनम में डिजिटल	24.85

		गंतव्य विकास / 2024-25	अनुभव केंद्र	

*****